perfectly elastic. This entails, first- that the number of sellers is large so that output of anyone seller is a negligibly small proportion of the total output of the commodity, and second - that buyers are alike in respect of their choice between rival sellers, so that the market is perfect."

पूर्ण - प्रतियोगिता की निम्नलिखित विशेषताएँ होती है -

i) क्रेताओं तथा विक्रेताओं की अत्यधिक संख्या: (LARGE NUMBER OF BUYERS AND SELLERS): पूर्ण - प्रतियोगिता में क्रेताओं तथा विक्रेताओं की अत्यधिक संख्या में होनी चाहिए। ऐसे बाजार में कोई भी क्रेता या विक्रेता अपने प्रयास से मूल्य को प्रभावित नहीं कर सकता। पूर्ण - प्रतियोगिता के अन्तर्गत एक क्रेता या विक्रेता की वही स्थिति होती है जो समुद्र में एक बून्द पानी की स्थिति होती है। तथा क्रेताओं एवम् विक्रेताओं को बाजार में दिया हुआ मूल्य स्वीकार करना पड़ता है।

ii) वस्तु की एकरूपता: पूर्ण - प्रतियोगिता के (HOMOGENEOUS PRODUCT) अन्तर्गत सभी उत्पादकों की वस्तुएं वजन, रूप, गुण में समान होनी चाहिए। वस्तुओं में एकरूपता होने से ही सारे बाजार में उनका

Scanned with CamScanner

एक ही मूल्य होगा।

iii) फर्मों का स्वतंत्र प्रवेश एवम् बहिर्गमन (FREEDOM OF ENTRY AND EXIT):

पूर्ण-प्रतियोगिता में किसी उद्योग में फर्मों के प्रवेश एवम् बहिर्गमन पर किसी प्रकार का रोक नहीं होना चाहिए। यदि उद्योग में मुनाफा होता है तो फर्म उसमें प्रवेश करते हैं और घाटा होने पर कुछ फर्म उद्योग को छोड़कर बाहर चले जाते हैं।

(iv) बाजार का पूर्ण ज्ञान (PERFECT KNOWLEDGE OF MARKET):

अन्तर्गत क्रेताओं को पूर्ण-प्रतियोगिता के बाजार का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए। क्रेताओं को यह अच्छी तरह मालूम होना चाहिए कि वस्तु किस स्थान में किस मूल्य पर बिक रही है।

v) साधनों की पूर्ण गतिशीलता (PERFECT MOBILITY OF FACTORS OF PRODUCTION):

उत्पादन के साधन पूर्णरूपेण गतिशील होने चाहिए। उनकी गतिशीलता पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं होना चाहिए। यदि उत्पादन के साधन पूर्णतः गतिशील रहेंगे तो वे उन कामों में लगाए जाएँगे जिनमें उनको अधिकतम पारिश्रमिक प्राप्त होगा।

vi) मूल्य नियंत्रण का अभाव (NO